मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) प्रारंभिक शिक्षा का सर्वसुलभीकरण, स्कूल छोड़ जाने वालों के लिये अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय साक्षरता मिशन, जिसका लक्ष्य 15–35 आयु वर्ग में 8 करोड़ प्रौढ़ निरक्षरों को कार्यात्मक साक्षरता प्रदान करना है, देश में निरक्षरता दूर करने के व्यापक कार्यक्रम का एक अभिन्न भाग है। संपूर्ण साक्षरता के लिये क्षेत्रों/जिलों का पता लगाने, परियोजना तैयार करने तथा परियोजनाओं को कार्यान्वित करने की मुख्य जिम्मेदारी, राज्य सरकारों/संघ शासित प्रशासनों तथा विभिन्न सरकारी तथा गैर-सरकारी संगठनों की है तथा उन राज्यों/संघ शासित प्रशासनों की संख्या के संबंध में, जिन्होंने आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के अन्त तक शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर लिया है, कोई मूल्यांकन करना कठिन है। राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के अन्तर्गत, आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक 8 करोड़ प्रौढ़ निरक्षरों को शामिल करने के लिये देश के लगभग 350 जिलों (आज तक के 156 जिलों सहित) में संपूर्ण साक्षरता अभियानों को शुरू किया जायेगा। जहां कहीं भी किसी न किसी कारणवश संपूर्ण साक्षरता अभियानों को शुरू करना संभव नहीं है वहां स्वैच्छिक एजेंसियों, शैक्षिक, संस्थाओं तथा नेहरू युवा केन्द्रों आदि द्वारा साक्षरता तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया जायेगा। यह आशा की जाती है कि प्रारंभिक, शिक्षा अनौपचारिक शिक्षा तथा प्रौढ़ शिक्षा के सर्वसुलभीकरण के क्षेत्र में किये गये संयुक्त प्रयासों के परिणामस्वरूप आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक देश में संपूर्ण साक्षरता दर 70–75 प्रतिशत के बीच पहुंच जायगी जो कि अगले 2–3 वर्षों में संपूर्ण साक्षरता प्राप्त करने के लिये एक महत्वपूर्ण स्तर समझा गया है।

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान प्रारंभिक शिक्षा तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के लिये केन्द्रीय क्षेत्र में क्रमशः 2880.00 करोड तथा 1400.00 करोड़ रु० का अनन्तिम आबंटन किया गया है।

नेशनल बुक ट्रस्ट

920. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल** : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान नेशनल बुक ट्रस्ट को कितना अनुदान दिया गया है ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान भाषावार कितनी पुस्तकों का प्रकाशन किया गया ; और

(ग) उक्त अवधि के दौरान पुस्तकों की बिक्री से भाषा वार कितनी आय हुई ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) राष्ट्रीय पुस्तक न्यास को पिछले तीन वर्षों के दौरान अनुदान स्वरूप 978.85 लाख रुपये प्रदान किये गये थे।

(ख) न्यास द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रकाशित पुस्तकों की भाषावार संख्या निम्न प्रकार है:–

असमी	106
बंगला	156
अंग्रेजी	281
गुजराती	126
हिंदी	443
कन्नड़	100
मलयालम	77
मराठी	344
उड़िया	57
पंजाबी	103
सिंधी	1
तमिल	79
तेलुगू	85
उर्दू	37
कुल :	1995

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान पुस्तकों की बिक्री से कुल आय (अतिरिक्त) 126.00 लाख रुपये थी। यह अस्थायी आंकड़ा है जो वर्ष 1991–92 के लेखों को अन्तिम रूप दिये जाने पर निर्भर करता है । तथापि, न्यास द्वारा भाषावार लेखे नहीं रखे जाते हैं ।

Irregularities in K.V.S.

921. PROF. SAURIN BHATTACHARYA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether All India Kendriya Vidyalaya Teachers Association have recently reiterated their demand for institution of a high level probe into various irregularities indulged in K.V.S. during the preceding academic session at the instance of K.V.S. Chairman;

(b) if so, whether Government has since conceded|rejected their demand; indicating the details in this regard;

(c) whether some MPs have also urged for probe into the aairs of K.V.S.; and

(d) if so, what action has been taken in this regard?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION AND DEPARTMENT OF CULTURE (KUMARI SELJA): (a) to (d) The Sangathan has received a letter dated 17.6.92 from General Secretary, All India Kendriya Vidyalaya Teachers' Association which *inter alia* relates to admissions under special dispensation quota and matters of routine personnel Administration. A few letters from All India Kendriya Vidyalaya Teachers' Association have also been received through some Members of Parliament asking for a probe in this regard. No necessity for any probe has been made out as forums already exist where such issues can be discussed. Joint Consultative Machinery has been activated and the heads of different staff associations have been nominated on the Sangathan and its Board of Governors. The Government is always willing to discuss with employees any genuine grievances so that reasonable solutions could be found out.

Representation by A.I.K.V.T.A.

922. PROF. SAURIN BHATTACHARYA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether he had received a fifth open letter addressed to the Prime Minister by All India Kendriya Vidyalaya Teachers Association;

(b) if so, the details thereof; and

(c) what action has since been taken|is proposed to be taken in this regard?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION AND DEPARTMENT OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) to (c) The Sangathan has received a copy of letter dated 27.5.92 from General Secretary, All India Kendriya Vidyalaya Teachers' Association addressed to Prime Minister. Besides some references to routine administrative matters, the letter speaks of admissions under special dispensation in Kendriya Vidyalaya and criticises setting up of the Sub-Committee out of the Consultative Committee of Parliament attached to the Ministry of Human Resource Development under the Chairmanship of Prof. (Smt.) Malini Bhattacharya which deliberated on the subject of admission under Special Dispensation. While Government have taken decision on the recommendations of the Sub-Committee, the Government is always willing to discuss with the employees any genuine grievances so that reasonable solutions could be arrived at.

Inter College|University Migration

923. SHRI CHATURANAN MISHRA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Union Territory Administration Chandigarh received applications in 1991 from students of various colleges/universities etc. seeking